राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

उच्चत्तर माध्यमिक पाठ्यक्रम - राजनीति विज्ञान

पाठ 26: भारत की विदेश नीति

कार्यपत्रक–**26**

Q.1 "प्रत्येक संप्रभु देश के लिए विदेश नीति महत्वपूर्ण है "इस कथन के अर्थ को अपने शब्दों मे लिखिए और इसका महत्व स्पष्ट कीजिए।

Q.2 भारतीय विदेश नीति ने बदलते इतिहास, संस्कृति, भूगोल और अर्थव्यवस्था के कारण आकार लिया है, इस कथन उदाहरण सहित की व्याख्या कीजिए।

Q.3 विदेश नीति का उद्देश्य राष्ट्रीय हित , विश्व शांति और निरस्त्रीकरण को रोकना है , उल्लिखित उद्देश्यों की अपने शब्दों में व्याख्या कीजिए।

Q.4 "भारत ने विश्व शांति की वकालत की है और पंचशील के नाम से पहचाने जाने वाले पांच सिद्धांतों का पालन करने के लिए मार्गदर्शन किया है ", इस कथन के संदर्भ में द्विपक्षीय संबंधों के संचालन के लिए पंचशील की व्याख्या कीजिए।

Q.5 भारतीय विदेश नीति में गुटनिरपेक्षता की महत्वपूर्ण विशेषता है, गुटनिरपेक्षता के अर्थ और महत्व को अपने शब्दों में लिखिए ।

Q.6 भारत हमेशा साम्राज्यवाद, नस्लवाद और उपनिवेशवाद के खिलाफ रहा है , भारतीय विदेश नीति में इन कारकों के महत्व की व्याख्या कीजिए।

Q.7 भारत ने संयुक्त राष्ट्र में विश्वास दिखाया है और संयुक्त राष्ट्र की अवधारणा को मजबूत किया है , इस कथन के संबंध में संयुक्त राष्ट्र को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों की व्याख्या कीजिए।

Q.8 भारत प्रेम और शांति का देश है और अहिंसा की अवधारणा का पक्षधर है , इस कथन के संदर्भ में शांति और निरस्त्रीकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र में भारत के योगदान को लिखिए।

Q.9 शीत युद्ध ने भारतीय विदेश नीति पर बड़ा प्रभाव डाला , सोवियत संघ के विघटन के कारण उत्पन्न अनिश्चितता की व्याख्या कीजिए।

Q.10 राजनीतिक पर्यवेक्षक ने संयुक्त राष्ट्र द्वारा शांति स्थापना की प्रक्रिया में भारत की भागीदारी और प्रयासों की सराहना की है। भारत द्वारा किए गए प्रयासों और योगदानों की व्याख्या कीजिए।